



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 11, 1980/ पौष 21, 1901

No. 6]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 11, 1980/PAUSA 21, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना सं. 4-ईटीसी(पीएन)/80

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1980

निर्यात व्यापार नियंत्रण

विषय :—केवल जम्मू और कश्मीर मूल उद्गम की रेगिस्तानी बिल्ली, लाल लोमड़ी और गन्ध बिलाव की खालों से बनी जीकटों और कोटों का सीमित उच्चतम सीमा के भीतर निर्यात ।

नोटिस सं. 25(8)/79-ई-2 .—वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 72-ईटीसी(पीएन)/79 दिनांक 27 अक्टूबर, 1979 के अनुसार में और जम्मू व कश्मीर राज्य के निर्यात-निर्यातक अपने स्टॉक की परिसमाप्ति कर सकें इसमें उनकी सहायता करने के लिए आगे यह निश्चय किया गया है कि केवल रेगिस्तानी बिल्ली, लाल लोमड़ी और गन्ध बिलाव की खालों से बनी जीकटों या कोटों के निर्यात की अनुमति इस उद्देश्य के लिए निर्धारित तबर्ध उच्चतम सीमा के भीतर दी जाए ।

2. जीकटों या कोटों के कोटे का आबंटन जम्मू व कश्मीर हस्तशिल्प निगम द्वारा किया जाएगा । रेगिस्तानी बिल्ली के सम्बन्ध में पोटलदान की अनुमति देने से पहले संकटापन्न किस्मों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के प्रबन्ध प्राधिकारी से एक अतिरिक्त प्रमाण-पत्र लेना भी आवश्यक होगा । ऐसा प्रमाण-पत्र रखे गए स्टॉक के आधार पर जारी किया जाएगा और कृषि मंत्रालय को जम्मू व कश्मीर की राज्य सरकार द्वारा पहले ही निर्दिष्ट की गई सूची के अनुसार विनिर्माताओं/निर्यातकों द्वारा सत्यापित किया जाएगा ।

3. यह भी निश्चय किया गया है कि निर्यात के लिए पूर्णरूप से निषेध की गई खालों से भिन्न खालों की सभी किस्मों से बने दस्तानों, स्लीपर्स और टोपियों के निर्यात की अनुमति किसी भी परिमाणात्मक प्रतिबन्ध के बिना अबाध रूप से दी जाएगी परन्तु यह अनुमति कानूनी अधिप्राप्ति प्रमाण-पत्र के प्रस्तुतीकरण के अधीन होगी ।

4. ऊपर संदर्भित सार्वजनिक सूचना की अन्य सभी शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी ।

सी. बेंकटरमन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE NO. 4-ETC(PN)/80

New Delhi, the 11th January, 1980

EXPORT TRADE CONTROL

Subject :—Export of Jackets and Coats only made out of skins of Desert Cat, Red Fox and Civet Cat of J&K Origin within a limited ceiling.

File No. 25(8)/79-E-II.—In continuation of the Department of Commerce Public Notice No. 72-ETC(PN)/79 dated the 27th October, 1979, and in order to help the manufacturers—exporters of J&K State to liquidate their own stocks it has further been decided to allow export of Jackets or Coats only made out of skins of Desert Cat, Red Fox and Civet Cat within an ad hoc ceiling fixed for this purpose.

2. Allotment of quota for jackets or coats will be made by J&K Handicrafts Corporation. As regards Desert Cat an additional certificate from the Management Authority of Convention on International Trade in Endangered Species will also be necessary before the shipments are allowed. Such certificate would be issued on the basis of stocks held and verified by manufacturers/exporters as per list already indicated by the State Government of J&K to the Ministry of Agriculture.

3. It has also been decided that gloves, sleepers and caps made out of all species of skins other than completely banned for export, will be permitted for export freely without any quantitative restriction but subject to production of a legal procurement certificate.

4. All other provisions of the Public Notice referred to above will remain unchanged.

of Imports & Exports

C. VENKATARAMAN, Chief Controller